पाठ -१६

संकल्प

मौखिक-

प्रश्न-१ बच्चों की चाह और संकल्प क्या है?

उत्तर- बच्चों की चाह और संकल्प अपने जीवन में शिक्षा पाकर कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य करने की है।

प्रश्न-२ गरीबों को गले लगाने से क्या होगा?

उत्तर- गरीबों को गले लगाने से वे निराश्रित अनुभव नहीं करेंगे तथा उनके अंदर भी आगे बढ़ने की उम्मीद बढ़ जाएगी।

प्रश्न-३ बच्चे मातृभूमि की सेवा में क्या चढ़ाना चाहते हैं?

उत्तर- बच्चे मातृभूमि की सेवा में अपना सर्वस्व चढ़ाना चाहते हैं।

प्रश्न-४ बच्चे किसका मान बढ़ाना चाहते हैं?

उत्तर- बच्चे स्वयं को वीर पुरुषों के बच्चे मानते हैं और उन्हीं वीर पुरुषों का मान बढ़ाना चाहते हैं।

लिखित-

कुछ शब्दों में-

प्रश्न-१ बच्चे विद्यालय में शिक्षा प्राप्त करके क्या करना चाहते हैं?

उत्तर- बच्चे विद्यालय में शिक्षा ग्रहण कर आगे बढ़ना चाहते हैं तथा कुछ कर दिखाना चाहते हैं।

प्रश्न-२ बच्चे घर-आँगन में क्या जलाएँगे?

उत्तर- बच्चे घर-आँगन में उद्यम का दीप जलाएँगे।

प्रश्न-३ आज़ादी के परवाने किन्हें कहा गया है?

उत्तर- 'आज़ादी के परवाने' बच्चों को कहा गया है, जो अपनी मातृभूमि की सेवा में अपना सर्वस्व चढ़ाने के लिए तत्पर है।

ज्यादा शब्दों में-

प्रश्न-१ बच्चे किन्हें गले लगाना चाहते हैं और क्यों?

उत्तर- जो लोग गरीब और बेसहारा हैं, बच्चे उन लोगों को गले लगाना चाहते हैं। ताकि वे इन लोगों के जीवन में भी सुख बरसा सकें अर्थात् खुशियाँ ला सकें। वे ऐसे लोगों को यह अनुभव करवाना चाहते हैं कि देश की भावीपीढ़ी उनके साथ है।

प्रश्न-२ 'उद्यम का दीप' से क्या तात्पर्य है?

उत्तर- 'उद्यम का दीप' का अर्थ है-परिश्रम का प्रकाश। जो लोग अज्ञानता के अँधेरे में संपूर्ण जीवन नहीं जी रहे हैं, उनके जीवन में परिश्रम रूपी दीप से खुशियों का प्रकाश बिखेरा जा सकता है।

प्रश्न-३ थके-हारे लोगों के लिए बच्चे क्या करना चाहते हैं?

उत्तर- थके-हारे लोगों के लिए बच्चे नई उम्मीद देना चाहते है ताकि वे जीवन में हारकर न बैठ जाएँ। वे उनके निरुत्साहित जीवन में नव जीवन का संचार करना चाहते हैं।

प्रश्न-४ हम देश की प्रगति में कैसे योगदान दे सकते हैं?

उत्तर- हम देश की प्रगति में देश के सभी लोगों को शिक्षित करके, उन्हे ऊपर उठने में सहयोग करके तथा उनकी निराशा को आशा में परिवर्तित कर अपना योगदान दे सकते है